सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि - 10/09/2024

रविभारती

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 35

PAS-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode
403841

Sub : Rigved-I
Paper-I

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
7. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: **1, 2, 3, 4, 5** अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।
8. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें **(5)** विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का **1/3** भाग काटा जायेगा ।
9.* प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से **10** मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।
10. यदि अभ्यर्थी **10%** से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।
11. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, **2022** तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. शाङ्खायनब्राह्मणे कत्यध्यायाः सन्ति ?
(1) 10
(2) 20
(3) 30
(4) 40
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. 'चरैवेति चरैवेति' इत्यादिपदानां शिक्षा कुत्र मिलति ?
(1) गोपथब्राह्मणे
(2) शतपथब्राह्मणे
(3) कौषीतकिब्राह्मणे
(4) ऐतरेयब्राह्मणे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. 'वौषट्' – शब्दस्य कोऽर्थः ?
(1) नमस्कारः
(2) वषट्कारः
(3) स्वाहाकारः
(4) स्वधाकारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. महिदासस्य मातुर्नाम किमासीत् ?
(1) एला
(2) इतरा
(3) इडा
(4) दाक्षी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. आश्वलायनदिशा ब्राह्मणः अग्न्याधानं करोति
(1) ग्रीष्मे
(2) वर्षासु
(3) हेमन्ते
(4) वसन्ते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. सोमराजा देवैः कस्यां दिशि क्रीतः ?
(1) दक्षिणस्याम्
(2) उत्तरस्याम्
(3) प्राच्याम्
(4) प्रतीच्याम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. चक्रवर्तिनो नृपस्य महाभिषेकस्य वर्णनमैतरेयब्राह्मणे कस्यां पञ्चिकायामस्ति ?
(1) अष्टमपञ्चिकायाम्
(2) प्रथमपञ्चिकायाम्
(3) पञ्चमपञ्चिकायाम्
(4) सप्तमपञ्चिकायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. "चरन् वै मधु विन्दतीति" वाक्यं केन उपदिष्टम् ?
(1) शुनःशेपेन
(2) रोहितेन
(3) इन्द्रेण
(4) हरिश्चन्द्रेण
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. आरण्यकस्य मुख्यप्रतिपाद्यविषयः कः ?
(1) प्राणविद्या
(2) भूतविद्या
(3) सर्पविद्या
(4) देवयजनविद्या
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. आरण्यकस्य नामान्तरमस्ति –
(1) आत्मा
(2) रहस्यम्
(3) जीवः
(4) ब्रह्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. ऐतरेयब्राह्मणस्य सप्तमपञ्चिकायाः प्रधानविषयोऽस्ति
(1) अग्निष्टोमः
(2) उक्थ्यः
(3) षोडशी
(4) राजसूययज्ञः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. कस्यारण्यकस्य सप्तमाष्टमावध्यायौ संहितोपनिषदिति कथ्यते ?
(1) ऐतरेयारण्यकस्य
(2) तैत्तिरीयारण्यकस्य
(3) बृहदारण्यकस्य
(4) शाङ्खायनारण्यकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. ऐतरेयारण्यके महाव्रतमित्यस्य वर्णनं कस्मिन्नारण्यके प्राप्यते ?
(1) प्रथमारण्यके
(2) द्वितीयारण्यके
(3) तृतीयारण्यके
(4) चतुर्थारण्यके
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. ऐतरेयारण्यकगतं महाव्रतं कस्यांशः ?
(1) अग्निहोत्रस्य
(2) गवामयनस्य
(3) चातुर्मास्यस्य
(4) ज्योतिष्टोमस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. ऐतरेयारण्यके निष्केवल्यं कुत्रोपदिष्टम् ?
(1) तृतीयारण्यके
(2) चतुर्थारण्यके
(3) प्रथमारण्यके
(4) द्वितीयारण्यके
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. ऐतरेयारण्यके कत्यारण्यकानि सन्ति ?
(1) 1
(2) 4
(3) 5
(4) 6
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. "अरण्याध्ययनादेतद् आरण्यकमितीर्यते" इति केनोद्धृतम् ?
(1) सायणाचार्येण
(2) महिदासेन
(3) शांखायनेन
(4) यास्केन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. वार्त्रघ्नमिति किम्
(1) वृत्ररूपम्
(2) अग्निरूपम्
(3) इन्द्ररूपम्
(4) त्वष्ट्ररूपम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. "विदा मघवन् विदा" इति ऋचः का संज्ञा ?
(1) सामधेनी
(2) पावमानी
(3) महानाम्नी
(4) सार्वराज्ञी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. प्राणो भूत्वा नासिकायां कः प्राविशत् ?
(1) मृत्तिका
(2) जलम्
(3) वायुः
(4) मृत्युः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. महानाम्नी–संज्ञकानाम् ऋचां संख्या अस्ति –
(1) नव
(2) सप्त
(3) अष्ट
(4) दश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. चराचरयोः आत्मा कः ?
(1) अग्निः
(2) सूर्यः
(3) आपः
(4) वायुः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. ऐतरेय–आरण्यकस्य पूर्णता केन पदेन भवति ?
(1) ब्रह्म भवति
(2) सर्वं खल्विदं ब्रह्म
(3) ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या
(4) अयमात्मा ब्रह्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. उपनिषच्छब्दस्य व्युत्पत्तिरस्ति
(1) उप + नि + सद् + क्विप्
(2) उप + नि + शद् + क्विप्
(3) उप + नि + षद्लृ + क्विप्
(4) उप + नि + सन् + क्विप्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. मुक्तिकोपनिषदि उपनिषदां संख्या का निर्दिष्टा ?
(1) नवोत्तरं शतम्
(2) अष्टोत्तरं शतम्
(3) दशोत्तरं शतम्
(4) एकादशोत्तरं शतम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. ऐतरेयारण्यकस्य आद्यानां त्रयाणामारण्यकानां द्रष्टा अस्ति –
(1) शौनकः
(2) शाकलः
(3) ऐतरेयः
(4) आश्वलायनः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. ऐतरेयोपनिषदि कत्यध्यायाः सन्ति ?
(1) चत्वारः
(2) त्रयः
(3) पञ्च
(4) षट्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. 'अम्भ' इति पदेन ऐतरेयेण कस्य लोकस्य ग्रहणं कृतम् ?
(1) पृथ्वीलोकस्य
(2) अन्तरिक्षलोकस्य
(3) द्युलोकस्य
(4) पाताललोकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. वाचं कः व्याकरोति ?
(1) आत्मा
(2) शरीरम्
(3) मनः
(4) इन्द्रियाणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. ऐतरेयोपनिषद्दृष्ट्या "मरः" पदेन कस्य बोधो भवति ?
(1) स्वर्गस्य
(2) पातालस्य
(3) पृथिवीलोकस्य
(4) नरकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. उपनिषदां फारसी भाषायामनुवादः कः कारितवान् ?
(1) दाराशिकोहः
(2) दारासिंहः
(3) हुमायूँ
(4) जहाँगीरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. ऐतरेयोपनिषदि "सुकृतम्" इति पदस्य प्रयोगः कस्मै प्रयुक्तः ?
(1) गवे
(2) अजाय
(3) अश्वाय
(4) पुरुषाय
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. 'प्रज्ञानं ब्रह्म' इत्येतन्महावाक्यमैतरेयोपनिषदि कस्मिन्नध्याये वर्तते ?
(1) प्रथमाध्याये प्रथमखण्डे
(2) प्रथमाध्याये द्वितीयखण्डे
(3) द्वितीयाध्याये
(4) तृतीयाध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. 'आत्मा वै पुत्र नामासि स जीव शरदः शतम्' इति कथनं कुत्र विद्यते ?
(1) कौषीतक्युपनिषदि
(2) ऐतरेयोपनिषदि
(3) कठोपनिषदि
(4) सूर्योपनिषदि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. कौषीतक्युपनिषदनुसारं प्रतर्दनः कस्य पुत्रः ?
(1) गार्ग्यस्य
(2) दिवोदासस्य
(3) आरुणेः
(4) श्वेतकेतोः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. सृष्टाः देवाः कुत्र प्रापतन् ?
(1) नभसि
(2) स्वर्गे
(3) पृथिव्याम्
(4) महत्यर्णवे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. कौषीतकिब्राह्मणोपनिषदनुसारम् आरुणिं को वव्रे ?
(1) चित्रः
(2) गौतमः
(3) श्वेतकेतुः
(4) अत्रिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. कौषीतक्युपनिषदनुसारम् इन्द्रोपदेशस्य मुख्यरूपमस्ति
(1) प्राणस्य प्रज्ञायाश्च महत्ता
(2) भक्तितत्त्वस्य महत्ता
(3) गुरुभक्तेर्महत्ता
(4) ब्रह्मज्ञानस्य महत्ता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. 'वेदविहितानां कर्मणामानुपूर्व्येण कल्पनाशास्त्रम्' इति लक्षणमस्ति
(1) कल्पशास्त्रस्य
(2) शिक्षाशास्त्रस्य
(3) निरुक्तस्य
(4) व्याकरणस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. कल्पसूत्रे न भवन्ति –
(1) श्रौतसूत्राणि
(2) प्रतिज्ञासूत्राणि
(3) शुल्बसूत्राणि
(4) गृह्यसूत्राणि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. कौषीतक्युपनिषदः कस्मिन्नध्याये पितृयाणं वर्णितम् ?
(1) चतुर्थे
(2) तृतीये
(3) प्रथमे
(4) द्वितीये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. श्रौतयागानां दर्शपूर्णमासादीनां विधानान्युपलभ्यन्ते

(1) गृह्यसूत्रेषु
(2) धर्मसूत्रेषु
(3) योगसूत्रेषु
(4) श्रौतसूत्रेषु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. अमावास्यायां पौर्णमास्याञ्च कृतो यागविशेषः कः ?

(1) अश्वमेधयागः
(2) ज्योतिष्टोमयागः
(3) राजसूययागः
(4) दर्शपूर्णमासयागः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. श्रौतेष्टीनां प्रकृतिः विद्यते

(1) दर्शपौर्णमासः
(2) चातुर्मास्यानि
(3) पशुबन्धः
(4) अहीनयागः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. आश्वलायनगृह्यसूत्रदिशा कियत्यो लेखाः अग्निस्थापने विहिताः ?

(1) चतस्रः
(2) पञ्च
(3) षट्
(4) अष्टौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. अग्निष्टोमयागे ऋत्विजो भवन्ति –

(1) दश
(2) द्वादश
(3) चतुर्दश
(4) षोडश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. शाङ्खायनगृह्यसूत्रे कत्यध्यायाः सन्ति ?

(1) त्रयः
(2) चत्वारः
(3) पञ्च
(4) षट्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. आश्वलायनगृह्यसूत्रस्य जयन्तस्वामिटीकायाः नामास्ति

(1) विमलोदयमाला
(2) विज्ञानेश्वरी
(3) मिताक्षरा
(4) वेददीपिका
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. संस्काराणां विशिष्टं वर्णनं प्राप्यते

(1) शुल्बसूत्रे
(2) श्रौतसूत्रे
(3) धर्मसूत्रे
(4) गृह्यसूत्रे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. शुल्बसूत्रपदे 'शुल्ब' पदस्य अर्थो भवति

(1) रज्जुः
(2) शोधनम्
(3) यज्ञः
(4) इष्टिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. उपाकरणप्रसङ्गाः आश्वलायनगृह्यसूत्रस्य कस्मिन्नध्याये सन्ति ?

(1) चतुर्थे
(2) द्वितीये
(3) तृतीये
(4) प्रथमे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. धार्मिकनियमाः प्रजानां राज्ञाञ्च कर्त्तव्यचर्याः वर्णिताः सन्ति
(1) श्रौतसूत्रे
(2) गृह्यसूत्रे
(3) धर्मसूत्रे
(4) शुल्बसूत्रे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. आश्वलायनगृह्यसूत्रस्य अनाविला व्याख्या केन कृता ?
(1) हरदत्तेन
(2) यज्ञदत्तेन
(3) देवस्वामिना
(4) जयन्तस्वामिना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. बृहद्देवताग्रन्थे अध्यायाः सन्ति ?
(1) अष्टौ
(2) नव
(3) दश
(4) एकादश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. बृहद्देवतानुसारं दैवतज्ञः
(1) 'निरर्थका मन्त्राः सन्ति' इति स्वीकरोति ।
(2) मन्त्राणामर्थमवगच्छति ।
(3) मन्त्राणामर्थं नावगच्छति
(4) मन्त्राणाम् उदात्तादिस्वरज्ञानं लभते ।
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. आश्वलायनगृह्यसूत्रस्य तृतीयाध्यायस्य द्वितीयखण्डे वर्णितमस्ति
(1) पुंसवनस्य
(2) जातकर्मणः
(3) वेदाध्ययनस्य
(4) उपाकरणस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. बृहद्देवतानुसारम् उचथ्यस्य पुत्र आसीत्
(1) गृत्समदः
(2) कुत्सः
(3) त्वष्टा
(4) दीर्घतमाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. वृषाकपायी पत्नी अस्ति
(1) सूर्यस्य
(2) वृषस्य
(3) वायोः
(4) इन्द्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. इन्द्रस्य गृत्समदस्य च कथा अस्ति ऋग्वेदस्य
(1) प्रथमे मण्डले
(2) द्वितीये मण्डले
(3) तृतीये मण्डले
(4) चतुर्थे मण्डले
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. बृहद्देवतानुसारं बृहस्पतेः पुत्र आसीत्
(1) विश्वामित्रः
(2) जमदग्निः
(3) वामदेवः
(4) भरद्वाजः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. श्यावाश्वस्य कथा आयाति बृहद्देवतायाम्
(1) प्रथमाध्याये
(2) द्वितीयाध्याये
(3) तृतीयाध्याये
(4) पञ्चमाध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. त्रितस्याख्यानमस्ति बृहद्देवतायाः
(1) प्रथमाध्याये
(2) द्वितीयाध्याये
(3) तृतीयाध्याये
(4) चतुर्थाध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. पवमानं मण्डलमिति कथ्यते ऋग्वेदे

(1) सप्तमं मण्डलम्

(2) अष्टमं मण्डलम्

(3) नवमं मण्डलम्

(4) दशमं मण्डलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. ऋक्सर्वानुक्रमण्यां सन्ति

(1) श्लोकाः

(2) मन्त्राः

(3) सूत्राणि

(4) ब्राह्मणानि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. ऋक्सर्वानुक्रमणी रचिता

(1) वसिष्ठेन

(2) कौत्सेन

(3) शौनकेन

(4) कात्यायनेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. मन्त्रस्य ऋषिं छन्दो देवतां विनियोगं चाविदित्वा यः अध्यापयति जपति वा सः

(1) पापीयान् जायते

(2) पशुमान् भवति

(3) पुष्पवान् भवति

(4) कलत्रं प्राप्नोति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. आर्षानुक्रमणी षड्गुरुशिष्योद्धृता कस्य वेदस्यास्ति ?

(1) ऋग्वेदस्य

(2) यजुर्वेदस्य

(3) सामवेदस्य

(4) अथर्ववेदस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. मन्त्रस्य ऋषिच्छन्दोज्ञानादिक्रमे प्रथमं ब्रूयात्

(1) देवताम्

(2) विनियोगम्

(3) ऋषिम्

(4) छन्दः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. निरुक्तशास्त्रं कात्स्न्र्यमस्ति

(1) प्रातिशाख्यस्य

(2) कल्पस्य

(3) शिक्षायाः

(4) व्याकरणस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. भावविकारा भवन्ति

(1) षट्

(2) सप्त

(3) अष्टौ

(4) नव

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. 'मन्त्रा अनर्थका भवन्ति' इति मन्यते

(1) वार्ष्यायणिः

(2) कौत्सः

(3) गार्ग्यः

(4) शाकटायनः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. शब्दनित्यत्वं प्रतिपादितमस्ति निरुक्तस्य

(1) प्रथमाध्याये

(2) द्वितीयाध्याये

(3) तृतीयाध्याये

(4) चतुर्थाध्याये

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. कण्वः प्रगाथश्च पुत्रौ बभूवतुः

(1) वामदेवस्य

(2) घोरस्य

(3) वसिष्ठस्य

(4) शौनकस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. 'सर्वाणि नामानि आख्यातजानि' इति ब्रवीति

(1) वार्ष्यायणिः

(2) कौत्सः

(3) शाकटायनः

(4) शाकपूणिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. 'उच्चावचेष्वर्थेषु निपतन्ति' इति

(1) नामानि

(2) निपाताः

(3) उपसर्गाः

(4) निगदाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. "आचार्यश्चिदिदं ब्रूयात्" इत्यत्र चित् निपातः अस्ति

(1) प्रतिषेधार्थीयः

(2) उपमार्थे

(3) पूजायाम्

(4) हेत्वपदेशे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. निरुक्ताध्ययनस्य प्रयोजनं नास्ति

(1) मन्त्रेषु अर्थप्रत्ययः

(2) मन्त्रेषु पदविभागः

(3) ज्ञानप्रशंसा

(4) पाठान्तरबोधनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. 'तत्त्वा यामि' .... इत्यस्मिन् मन्त्रे 'यामि' इत्यत्र भवति

(1) अन्तलोपः

(2) उपधालोपः

(3) उपधाविकारः

(4) वर्णलोपः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. निरुक्तानुसारं रसानुप्रदानं कर्म अस्ति

(1) अग्नेः

(2) इन्द्रस्य

(3) सूर्यस्य

(4) वृत्तस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. निरुक्तानुसारमदितिः अस्ति

(1) पृथिवीस्थाना

(2) मध्यस्थाना

(3) द्युस्थाना

(4) पातालस्थाना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. "जायते" इति भावविकारो ब्रवीति

(1) पूर्वभावस्यादिम्

(2) स्वाङ्गाभ्युच्चयम्

(3) अपरभावस्यादिम्

(4) उत्पन्नस्य सत्त्वस्यावधारणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. "न निर्बद्धा उपसर्गा अर्थान्निराहुः" इति मन्यते

(1) शाकटायनः

(2) कौत्सः

(3) कात्थक्यः

(4) स्थौलाष्ठीविः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. निरुक्तानुसारम् अग्निरस्ति

(1) पृथिवीस्थानः

(2) अन्तरिक्षस्थानः

(3) द्युस्थानः

(4) पातालस्थानः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. नैगमकाण्डस्य नामान्तरमस्ति

(1) ऐकपदिकम्

(2) दैवतकाण्डम्

(3) नैघण्टुककाण्डम्

(4) हविर्यज्ञकाण्डम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. ऋग्वेदप्रातिशाख्ये कति सन्ध्यक्षराणि कथितानि सन्ति

(1) चत्वारि

(2) पञ्च

(3) षट्

(4) सप्त

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. अनुनासिकसंज्ञो भवति

(1) प्रतिवर्गम् आद्यो वर्णः

(2) प्रतिवर्गं तृतीयो वर्णः

(3) प्रतिवर्गं चतुर्थो वर्णः

(4) प्रतिवर्गम् अन्त्यो वर्णः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. विवृत्तिः उच्यते

(1) प्रश्लिष्टम्

(2) स्वरयोरन्तरम्

(3) क्षैप्रः

(4) भुग्नः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. परिपन्नस्य सन्धेरपवादः अस्ति

(1) 'ककुद्मान्' शब्दः

(2) 'कृधि' शब्दः

(3) 'कृतम्' शब्दः

(4) 'सम्राट्' शब्दः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. ऋग्वेदप्रातिशाख्ये कति पटलानि सन्ति

(1) षोडश

(2) सप्तदश

(3) अष्टादश

(4) नवदश

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. अवग्रहस्य भवति

(1) अर्द्धमात्राकालः

(2) एकमात्राकालः

(3) द्विमात्राकालः

(4) त्रिमात्राकालः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. "स्वर्यन्ते शब्द्यन्ते" इति अर्थः अस्ति

(1) सवर्णानाम्

(2) स्वराणाम्

(3) समानाक्षराणाम्

(4) संयोगानाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. ऋग्वेदप्रातिशाख्यस्य चतुर्थपटलं कथ्यते

(1) नतिपटलम्

(2) स्वरपटलम्

(3) सन्धिपटलम्

(4) संहितापटलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. स्पर्शसंज्ञका वर्णाः भवन्ति

(1) दश

(2) पञ्चदश

(3) विंशतिः

(4) पञ्चविंशतिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. "पुरएता तितउना प्रउगं नमउक्तिभिः" एतेषु भवति

(1) अन्तःपदं विवृत्तिः

(2) पदवृत्तिः

(3) प्राच्यपदवृत्तिः

(4) पञ्चालपदवृत्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. उदात्तश्रुतितां याति

(1) उदात्तात्परभूतः प्रथमः अनुदात्तः

(2) अनुदात्तात्परभूतः स्वरितः

(3) उदात्तात्परभूतः स्वरितः

(4) स्वरितात्परभूतः अनुदात्तः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. अभिनिहितः अस्ति
(1) उदात्तभेदः
(2) अनुदात्तभेदः
(3) स्वरितभेदः
(4) प्रचयभेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. ऋग्वेदप्रातिशाख्ये समानाक्षराणि कथितानि सन्ति
(1) पञ्च
(2) षट्
(3) सप्त
(4) अष्टौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. आमन्त्रिताज्जात ओकारो भवति
(1) प्रगृह्यसंज्ञः
(2) रेफिसंज्ञः
(3) रक्तसंज्ञः
(4) नामिसंज्ञः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. आसुरी गायत्री भवति
(1) चतुर्दशाक्षरा
(2) पञ्चदशाक्षरा
(3) षोडशाक्षरा
(4) सप्तदशाक्षरा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. अष्टाक्षरा भवति
(1) याजुषी गायत्री
(2) दैवी गायत्री
(3) प्राजापत्या गायत्री
(4) सामगायत्री
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. ऋग्वेदप्रातिशाख्यानुसारं पदयोर्मध्ये पतन्तीति
(1) परिपन्नाः सन्धयः
(2) अन्तःपाताः सन्धयः
(3) प्रश्लिताः सन्धयः
(4) अकामाः सन्धयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. आर्षीबृहतीच्छन्दसि अक्षराणि भवन्ति
(1) षट्त्रिंशत्
(2) चत्वारिंशत्
(3) चतुश्चत्वारिंशत्
(4) अष्टाचत्वारिंशत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. आर्षीजगतीच्छन्दसि अक्षराणि भवन्ति
(1) चतुश्चत्वारिंशत्
(2) अष्टाचत्वारिंशत्
(3) चत्वारिंशत्
(4) पञ्चाशत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. छन्दःशास्त्रे "वसु" इति शब्दो बोधकः अस्ति
(1) षडक्षराणाम्
(2) सप्ताक्षराणाम्
(3) अष्टाक्षराणाम्
(4) नवाक्षराणाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. छन्दःशास्त्रे 'आदित्य' इति शब्दो बोधकः अस्ति
(1) दशाक्षराणाम्
(2) त्रयोदशाक्षराणाम्
(3) एकादशाक्षराणाम्
(4) द्वादशाक्षराणाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. "आद्यं चतुष्पाद्दतुभिः" इति सूत्रेण बोधो भवति
(1) गायत्रीच्छन्दसः
(2) अनुष्टुप्छन्दसः
(3) त्रिष्टुप्छन्दसः
(4) जगतीच्छन्दसः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. याजुषी गायत्री भवति
(1) पञ्चाक्षरा
(2) षडक्षरा
(3) नवाक्षरा
(4) दशाक्षरा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. गायत्रैः षड्भिः पादैः छन्दो भवति

(1) उष्णिक्

(2) अनुष्टुप्

(3) जगती

(4) बृहती

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. यदैकः पञ्चाक्षरः पादो भवति त्रयश्च षडक्षराः पादा भवन्ति, तदा भवति

(1) निचृद् गायत्री

(2) दैवी गायत्री

(3) भूरिग्गायत्री

(4) शङ्कुमती गायत्री

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. उष्णिक्छन्दसः स्वरः कथितः अस्ति

(1) ऋषभः

(2) गान्धारः

(3) मध्यमः

(4) पञ्चमः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. अनुष्टुप्छन्दसो गोत्रमस्ति

(1) काश्यपः

(2) गौतमः

(3) भार्गवः

(4) कौशिकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. यस्मिन्मन्त्रे पञ्चाक्षराः पञ्चपादा भवन्ति तस्मिन् मन्त्रे छन्दो भवति

(1) अक्षरपङ्क्तिः

(2) विष्टारपङ्क्तिः

(3) पदपङ्क्तिः

(4) आस्तारपङ्क्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. यस्मिन् मन्त्रे द्वौ नवाक्षरौ पादौ भवतः तृतीयः षडक्षरः पादो भवति तदा भवति

(1) वाराही गायत्री

(2) वर्धमाना गायत्री

(3) निचृद् गायत्री

(4) नागी गायत्री

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. यत्र कर्म मानान्तरेण प्राप्तं भवति तत्र प्राप्त कर्मोद्देशेन विधत्ते

(1) गुणमात्रम्

(2) फलमात्रम्

(3) सोमम्

(4) अग्निहोत्रम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. शाब्दीभावनायाः साधनाकाङ्क्षायां करणत्वेन अन्वेति

(1) अर्थवादज्ञाप्यप्राशस्त्यम्

(2) लिङादिज्ञानम्

(3) आर्थीभावना

(4) स्वर्गादिफलम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. आर्थीभावनायाः साध्याकाङ्क्षायां साध्यत्वेन अन्वेति

(1) यागादिः

(2) संख्यादयः

(3) स्वर्गादिफलम्

(4) प्रयाजाद्यङ्गजातम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. जगतीच्छन्दसो वर्णः अस्ति

(1) कृष्णः

(2) नीलः

(3) लोहितः

(4) गौरः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको भवति
(1) विनियोगविधिः
(2) अपूर्वविधिः
(3) विशिष्टविधिः
(4) अधिकारविधिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. यस्य शब्दस्य श्रवणादेव सम्बन्धः प्रतीयते सा भवति
(1) अभिधात्रीश्रुतिः
(2) विनियोक्त्री श्रुतिः
(3) विधात्री श्रुतिः
(4) व्रीह्यादिश्रुतिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. "व्रीहिभिर्यजेत" इत्यत्र व्रीहीणां यागाङ्गत्वं सिद्ध्यति
(1) द्वितीया श्रुत्या
(2) तृतीया श्रुत्या
(3) षष्ठ्या श्रुत्या
(4) सप्तम्या श्रुत्या
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. अर्थसंग्रहानुसारं शब्द सामर्थ्यमुच्यते
(1) वाक्यम्
(2) प्रकरणम्
(3) स्थानम्
(4) लिङ्गम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. सोमयागे आदौ भवति
(1) अप्सुदीक्षा
(2) पत्नीदीक्षा
(3) नवनीतदीक्षा
(4) अञ्जनदीक्षा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिः कथ्यते
(1) गुणविधिः
(2) नियमविधिः
(3) उत्पत्तिविधिः
(4) प्रयोगविधिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. रात्रिसत्रेषु दीक्षा भवन्ति
(1) दश (2) एकादश
(3) द्वादश (4) त्रयोदश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. जैमिनीयन्यायमालायामध्यायाः सन्ति
(1) नव
(2) दश
(3) एकादश
(4) द्वादश
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. जैमिनीयन्यायमालायाः प्रथमाध्याये निरूपितमस्ति
(1) विध्यर्थवादादिरूपं प्रमाणम्
(2) यागदानादिकर्मभेदः
(3) प्रयाजादीनां दर्शपूर्णमासाद्यर्थत्वेन तच्छेषत्वम्
(4) क्रमनियतिविधेयत्वादयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. जैमिनीयन्यायमालायाः प्रथमाध्यायस्य प्रथमे पादे प्रथमम् अस्ति
(1) धर्मलक्षणाधिकरणम्
(2) जिज्ञासाधिकरणम्
(3) शब्दनित्यत्वाधिकरणम्
(4) वाक्याधिकरणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. "वायुर्वाक्षेपिष्ठा देवता, वायुमेव स्वेन भागेनोपधावति, स एवैनं भूतिं गमयति" इति वाक्यमस्ति
(1) विधिः
(2) नामधेयः
(3) अर्थवादः
(4) निषेधः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. सोमयागे सोमद्रव्याभावे गृह्यते
(1) आज्यम् (2) पूतीका
(3) मधु (4) सुरा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. ऋग्वेदे प्रत्यष्टकं कत्यध्यायाः भवन्ति ?
(1) 4
(2) 8
(3) 10
(4) 20
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. 'इष्टप्राप्त्यनिष्टपरिहारयोरलौकिकमुपायं यो वेदयति स वेदः' इति केनोक्तम् ?
(1) यास्केन
(2) पाणिनिना
(3) सायणेन
(4) याज्ञवल्क्येन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. पाश्चात्यमते वेदत्रय्यां को न गण्यते ?
(1) ऋग्वेदः
(2) यजुर्वेदः
(3) सामवेदः
(4) अथर्ववेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. ग्रन्थवाचको वेदशब्दो भवति –
(1) आद्युदात्तः
(2) अन्तोदात्तः
(3) आद्यानुदात्तः
(4) सर्वानुदात्तः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. ऋग्वेदस्य तृतीयमण्डलस्य कः ऋषिः ?
(1) अत्रिः
(2) विश्वामित्रः
(3) वामदेवः
(4) वत्सः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. ऋग्वेदस्याध्येता कः ऋत्विक् ?
(1) होता
(2) अध्वर्युः
(3) उद्गाता
(4) ब्रह्मा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. "सम्पूर्णमृषिवाक्यं तु सूक्तमित्यभिधीयते" इति वाक्यं कस्मिन् ग्रन्थेऽस्ति ?
(1) श्रौतसूत्रे
(2) शिक्षायाम्
(3) निरुक्ते
(4) बृहद्देवतायाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. आर्षीगायत्रीच्छन्दसि कत्यक्षराणि भवन्ति ?
(1) 28
(2) 25
(3) 24
(4) 23
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. छन्दो–मन्त्र–ब्राह्मण–सूत्रमाश्रित्य वेदानां चतुर्विधं कालविभाजनं केन कृतम् ?
(1) मोक्ष (मैक्स) मूलरेण
(2) लोकमान्यबालगङ्गाधरतिलकमहोदयेन
(3) जैकोबीमहोदयेन
(4) बेवरमहोदयेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. दशतयी'ति पदेन को वेदोऽभिधीयते ?
(1) ऋग्वेदः
(2) यजुर्वेदः
(3) सामवेदः
(4) अथर्ववेदः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. "सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्" इत्यनेन मन्त्रांशेन कस्य वर्णनं कृतमस्ति ?
(1) रुद्रस्य
(2) सूर्यस्य
(3) प्रजापतेः
(4) विराट्पुरुषस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. ऋग्वेदे पवमानमण्डलनाम्ना प्रसिद्धमस्ति –

(1) नवममण्डलम्
(2) तृतीयमण्डलम्
(3) सप्तममण्डलम्
(4) दशममण्डलम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले श्रद्धासूक्तमस्ति ?

(1) नवममण्डले
(2) दशममण्डले
(3) पञ्चममण्डले
(4) सप्तममण्डले
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. 'केवलाघो भवति केवलादी' इति मन्त्रांशः ऋग्वेदस्य कस्मिन् सूक्ते वर्तते ?

(1) वाक्सूक्ते
(2) नासदीयसूक्ते
(3) अक्षसूक्ते
(4) धनान्नदानसूक्ते
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. "मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयम्" इति केनोक्तम् ?

(1) पाणिनिना
(2) याज्ञवल्क्येन
(3) आपस्तम्बेन
(4) शौनकेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. ऋग्वेदस्य प्रथमाष्टके सूक्तानि सन्ति –

(1) 119
(2) 122
(3) 124
(4) 121
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. ब्राह्मणग्रन्थानां दशविषयेषु न परिगण्यते –

(1) हेतुः
(2) साध्यम्
(3) निर्वचनम्
(4) प्रशंसा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. "अग्निर्वै देवानामवमो विष्णुः परमः" इत्यनेन कः ब्राह्मणग्रन्थः प्रारभ्यते ?

(1) शतपथब्राह्मणम्
(2) शांखायनब्राह्मणम्
(3) ऐतरेयब्राह्मणम्
(4) कौषीतकिब्राह्मणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. ऋग्वेदेन सम्बद्धो ब्राह्मणग्रन्थः कः ?

(1) गोपथब्राह्मणग्रन्थः
(2) ताण्ड्यब्राह्मणग्रन्थः
(3) शतपथब्राह्मणग्रन्थः
(4) शाङ्खायनब्राह्मणग्रन्थः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. ऐतरेयब्राह्मणस्य उपदेष्टा कः ?

(1) ऐतरेयः महिदासः
(2) आपस्तम्बः
(3) शौनकः
(4) याज्ञवल्क्यः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. ऐतरेय-ब्राह्मणस्य "वेदार्थ प्रकाश"-नामकस्य भाष्यस्य कर्ता कः ?

(1) महीधरः
(2) कात्यायनः
(3) सायणः
(4) माधवः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK